शब्द–ब्रह्म
E ISSN 2320 – 0871
भारतीय भाषाओं की अंतर्राष्ट्रीय मासिक शोध पत्रिका
17 अक्टूबर 2018
पीअर रीव्यूड रेफ्रीड रिसर्च जर्नल

सम्पादकीय

शब्दब्रह्म के छः वर्ष

डा.पुष्पेंद्र दुबे

इस माह शब्दब्रह्म के प्रकाशन को छः वर्ष पूर्ण हो गए हैं। काल-प्रवाह में समय व्यतीत होते पता ही नहीं चला। छः वर्ष पूर्व 2012 में अपने मित्रों के साथ हिन्दी भाषा और भारतीय भाषाओं में शोधार्थियों के शोध पत्रों को आॅनलाइन प्रकाशित करने की योजना बनायी गयी। वेबसाइट तैयार करने से लेकर उसमें संशोधन तक मित्रों ने अपना पूर्ण सहयोग प्रदान किया। इन छः वर्षों के दौरान यह अनुभव आया कि आज भी कम्प्यूटर का उपयोग करने में हिन्दी साहित्य के सुधी शोधार्थियों में एक हिचक विद्यमान है। वे कम्प्यूटर के साथ अपने आपको सहज नहीं बना पाये हैं। देश के प्रमुख विश्वविद्यालयों में शोधरत शोधार्थियों के साथ यह समस्या नहीं है, परंतु जो शोधार्थी दूरदराज के ग्रामीण क्षेत्रों में महाविद्यालयों में शोधरत हैं, उनमें कम्प्यूटर साक्षरता का अभाव-सा है। यह भी सही है कि उनमें जानने-समझने की ललक है। इसलिए उन्होंने अपने शोधपत्र के प्रकाशन के लिए शब्दब्रह्म आॅनलाइन पत्रिका का चयन किया। जिन शोधार्थियों ने इन छः वर्षों में अपना विश्वास शब्दब्रह्म आनलाइन पत्रिका पर प्रदर्शित किया है, उन सभी के प्रति हार्दिक आभार।

इन छः वर्षों में शब्दब्रह्म ने दो शोध संगोष्ठियों का सफलतापूर्वक आयोजन किया। प्रथम शोध संगोष्ठी महाराजा रणजीतसिंह कालेज आफ प्रोफेशनल साइंसेस के सहयोग से फरवरी 2014 में आयोजित की गयी और द्वितीय शोध संगोष्ठी मार्च 2016 में देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के तुलनात्मक भाषा एवं संस्कृति अध्ययनशाला में संपन्न हुई। दोनों ही शोध संगोष्ठियों में शोधार्थियों ने गुणवत्तापूर्ण शोधपत्रों का वाचन किया, जिसका प्रकाशन शब्दब्रह्म में किया गया।

शब्दब्रह्म को मैसूर स्थित इन्फोबेस इंडेक्स ने 2.3 इण्डेक्स प्रदान किया। शब्दब्रह्म में अंग्रेजी भाषा में प्रकाशित शोध पत्रों को गूगल स्कालर ने संदर्भित किया है। साथ ही शब्दब्रह्म के शोधपत्रों को विकीपीडिया ने भी अपनाया है। हमें आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि हिन्दी और भारतीय भाषाओं के विस्तार के लिए शोधार्थियों का स्नेह पूर्ववत् मिलता रहेगा।

हमारे सुधी शोधार्थियों को विजयादशमी और दीपावली पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं।